Date - 04/05/2020.

* चट्टा नृत्य :-

चट्टा नृत्य, उत्तर प्रदेश प्रान्त का लोक नृत्य है। इसको स्त्री - पुरुष दोनों ही मिलकर करते हैं। इस नृत्य की गति प्रारंभ में धीमी रहती है। लेकिन बाद में तेज हो जाती है जिससे दर्शकों को आनंद मिलता है। यह नृत्य मेलों तथा तमाशों के अन्तर्गत किया जाता है।

* रास लीला :-

इसका प्रचलन कई राज्यों यथा - उत्तर - प्रदेश, गुजरात मणिपुर आदि में देखने को मिलता है। रासलीला में गोप और गोपियाँ परम्परागत वेशभूषा में नर्तक नृत्य करते हैं। राधाकृष्ण की इस

Today's Priority

Date:- 04/05/2020

Appointment

नृत्य में मुख्य भूमिका होती है। यह आँचलिक नृत्य है। गोकुल, मथुरा, वृन्दावन में यह नृत्य काफी लोकप्रिय है। रास में ढोल, मंजीरा, झांझ, करताल, शहनाई, एकतारा आदि अनेक प्रकार के वाद्य प्रयोग किये जाते हैं।

* होली नृत्य :-

यह लोक नृत्य होली के अवसर पर ही किया जाता है। राधा-कृष्ण की होली विशेष रूप से प्रसिद्ध है। अबीर, गुलाल उड़ाते हुए इस नृत्य का आनंद दर्शक उठाते हैं। होली नृत्य राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, तथा उत्तर प्रदेश में विशेष रूप से प्रचलित है।

* थाली नृत्य :-

थाली पर खड़े होकर नृत्य की परम्परा हमारे यहाँ बहुत पुरानी है। यह हमें उत्तर प्रदेश तथा राजस्थान में देखने को मिलता है। थाली पर खड़े होकर पैरों को भार एक साथ रखना तथा

Today's Priority

शरीर को सँभालना तथा घूम-घूमकर नृत्य करना थाली नृत्य की विशेषता है। इस नृत्य में संतुलन का विशेष महत्व होता है।